चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3-11-26	4	1-4

'कीटनाशकों का प्रयोग वैज्ञानिकों की सलाह से करें किसान'

- हकृवि में कीटनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग पर प्रशिक्षण आयोजित
- फसलों को कीटों और रोगों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कीटनाशक : प्रो. काम्बोज



किसानों को किट प्रदान करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा कोरटेवा एग्रीसाइंस के प्रायोजन से किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित, जिम्मेदार और विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कीटनाशक फ़सलों को कीटों और रोगों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए। बिना जरूरत और अधिक मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव करने से खेती की लागत बढ़ती है और फसल, मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि कीटनाशक खरीदते और इस्तेमाल करते समय उसके पैकेट या बोतल पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। छिड़काव करते समय मास्क, दस्ताने और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों का गलत इस्तेमाल मिट्टी, पानी, पशु-पक्षियों और लाभकारी कीटों के लिए भी हानिकारक होता है।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि समेकित कीट प्रबंधन (आइपीएम) टिकाऊ खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसानों को कीटों से बचाव के लिए केवल रासायनिक दवाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसके लिए खेतों की नियमित निगरानी, कीटों की सही पहचान, जैविक नियंत्रण, फेरोमोन ट्रैप और कीट प्रतिरोधी किस्मों जैसे उपाय अपनाने चाहिए। रासायनिक कीटनाशकों का छिड़काव वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार संतुलित मात्रा में करना चाहिए, इससे खेती की लागत कम करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने कहा कि किसानों को कीटनाशकों का प्रयोग करने से पहले फसल और उसमें लगने वाले कीट की सही पहचान करनी चाहिए। इसके बाद ही कृषि वैज्ञानिकों या विशेषज्ञों की सलाह से उचित दवा का चयन और छिड़काव करना चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डा. सुनीता यादव, कोरटेवा एग्रीसाइंस के प्रतिनिधि डा. बसवेश्वर घोड़की, मंच संचालन डा. रीना चौहान ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3.11.26	2	4-6

फसल सुरक्षा के लिए समेकित कीट प्रबंधन अपनाएं

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैविक नियंत्रण और फेरोमोन ट्रैप पर जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग की ओर से सोमवार को किसान जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज कांम्बोज ने किसानों को कीटनाशकों का इस्तेमाल वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार करने की सलाह दी।

काम्बोज ने समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) को टिकाऊ खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि किसान केवल रासायनिक दवाओं पर निर्भर न रहें। खेतों की नियमित निगरानी, कीटों की सही पहचान, जैविक नियंत्रण, फेरोमोन ट्रैप और कीट प्रतिरोधी किस्मों को अपनाएं। इससे खेती की लागत कम करने और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी।



एचएयू में किसानों को किट प्रदान करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज। स्रोत : विवि

उन्होंने कहा कि बिना जरूरत और अधिक मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव करने से खेती की लागत बढ़ने के साथ फसल, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। कीटनाशक खरीदते और इस्तेमाल करते समय पैकेट या बोतल पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ना चाहिए। छिड़काव के दौरान मास्क, दस्ताने और अन्य सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करना जरूरी है। कीटनाशकों का गलत इस्तेमाल मिट्टी, पानी, पशु-पक्षियों और लाभकारी कीटों के लिए भी हानिकारक है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि कीटनाशकों के प्रयोग से पहले फसल और उसमें लगने वाले कीट की सही पहचान जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	3-11-26	8	2-4

एचएयू में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कीटनाशकों का सुरक्षित इस्तेमाल करें किसान : कुलपति



हिसार में किसानों को सुरक्षा किट प्रदान करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज। -हप्र

हिसार, 2 नवंबर (हप्र)

फसलों को कीटों से बचाने के लिए कीटनाशकों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल खेती की लागत बढ़ाने के साथ मिट्टी, पानी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक है। किसानों को इनका प्रयोग वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कीट विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का आयोजन कोरटेवा एग्रीसाइंस के सहयोग से किया गया।

कुलपति ने कहा कि कीटनाशकों के छिड़काव के दौरान मास्क, दस्ताने और अन्य सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल जरूरी है। दवा खरीदने और प्रयोग करने से पहले पैकेट पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ना चाहिए। उन्होंने किसानों से समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) अपनाने और रासायनिक दवाओं पर निर्भरता कम करने का आह्वान किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि कीटनाशक के चयन से पहले फसल और कीट की सही पहचान जरूरी है। इसके लिए कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेनी चाहिए।

विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. बसवेश्वर घोडक्की ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। डॉ. रीना चौहान ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में किसानों को सुरक्षा किट भी वितरित की गईं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-11-26	4	1

कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग की ट्रेनिंग



हिसार | एचएयू के कीट विज्ञान विभाग ने कोरटेवा एग्रीसाइंस के सहयोग से किसानों के लिए कीटनाशकों के सुरक्षित, जिम्मेदार और विवेकपूर्ण उपयोग पर जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रम किया। मुख्य अतिथि कुलपति बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कीटनाशक फसलों को कीट व रोग से बचाते हैं, पर उनका छिड़काव वैज्ञानिक सलाह और अनुशंसित मात्रा के अनुसार ही हो। अनावश्यक या अधिक उपयोग से लागत बढ़ती है और फसल, मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने पैकेट पर लिखे निर्देश पढ़ने, मास्क-दस्ताने जैसे सुरक्षा उपकरण अपनाने और गलत उपयोग से मिट्टी-पानी व लाभकारी कीटों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति सतर्क रहने को कहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	3-11-26	4	8

किसान कीटनाशकों का प्रयोग वैज्ञानिकों की सलाह और संतुलित मात्रा में करें : प्रो. काम्बोज



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

हिसार, 2 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा कोरटेवा एग्रीसाइंस के प्रायोजन से किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कीटनाशक फसलों को कीटों और रोगों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए। बिना जरूरत और अधिक मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव करने से खेती की लागत बढ़ती है तथा फसल, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें और उन्हें सही जानकारी देकर टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दें। इस अवसर पर कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी तथा किसान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	3-11-26	9	2-6

हकृवि में कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर प्रशिक्षण

संतुलित मात्रा में कीटनाशकों का प्रयोग करें किसान वैज्ञानिकों से सलाह : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग की ओर से कोरटेवा एग्रीसाइंस के प्रायोजन से किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कीटनाशक फसलों को कीटों और रोगों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए। बिना जरूरत और अधिक मात्रा में कीटनाशकों का छिडक़ाव करने से खेती की लागत बढ़ती है तथा फसल, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि कीटनाशक खरीदते और इस्तेमाल करते समय उसके पैकेट या बोतल पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। प्रो. काम्बोज ने कहा कि समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) टिकाऊ खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसानों को कीटों से बचाव के लिए केवल रासायनिक दवाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। रासायनिक कीटनाशकों का छिडक़ाव वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार संतुलित मात्रा में करना चाहिए, इससे खेती की लागत कम करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने किसानों से सुरक्षित कीटनाशक उपयोग अपनाने तथा पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।



हिसार। किसानों को किट प्रदान करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3-11-26	8	1-2



किसानों को किट प्रदान करते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

किसान कीटनाशकों का प्रयोग वैज्ञानिकों की सलाह व संतुलित मात्रा में करें : प्रो. काम्बोज

हकृवि में कीटनाशकों के सुरक्षित व विवेकपूर्ण उपयोग संबंधी प्रशिक्षण आयोजित

हिसार, 2 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा कोरटेवा एग्रीसाइंस के प्रायोजन से किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कीटनाशक फसलों को कीटों और रोगों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए। बिना जरूरत और अधिक मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव करने से खेती की लागत बढ़ती है तथा फसल, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि कीटनाशक खरीदते और इस्तेमाल करते समय उसके पैकेट या बोतल पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। छिड़काव करते समय मास्क, दस्ताने और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें। प्रो. काम्बोज ने कहा कि समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) टिकाऊ खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसानों को कीटों से बचाव के लिए केवल रासायनिक दवाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसके लिए खेतों की नियमित निगरानी, कीटों की सही पहचान, जैविक नियंत्रण, फेरोमोन ट्रैप और कीट प्रतिरोधी किस्मों जैसे उपाय अपनाने चाहिए। रासायनिक कीटनाशकों का छिड़काव वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार संतुलित मात्रा में करना चाहिए, इससे खेती की लागत कम करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार नवीनतम तकनीकें और सुरक्षित खेती के तरीकों की जानकारी निरंतर किसानों तक पहुंचा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	02.11.26	-----	----

बिना जरूरत कीटनाशकों के छिड़काव से खेती की लागत बढ़ती है और पर्यावरण को नुकसान होता है : प्रो. काम्बोज



नभ-छोर न्यूज ⏭ 02 नवंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि कीटनाशक फसलों को कीटों और रोगों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए। बिना जरूरत और अधिक मात्रा में कीटनाशकों का छिडकाव करने से खेती की लागत बढ़ती है तथा फसल, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) टिकाऊ खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसानों को कीटों से बचाव के लिए केवल रासायनिक दवाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसके लिए खेतों की नियमित निगरानी, कीटों की सही पहचान, जैविक नियंत्रण, फेरोमोन ट्रैप और कीट प्रतिरोधी किस्मों जैसे उपाय अपनाने चाहिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि किसानों को कीटनाशकों का प्रयोग करने से पहले फसल और उसमें लगने वाले कीट की सही पहचान करनी चाहिए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। कोरटेवा एग्रीसाइंस के प्रतिनिधि डॉ. बसवेश्वर घोडकी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. रीना चौहान ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाईम्स	02.11.26	-----	----

किसान कीटनाशकों का प्रयोग वैज्ञानिकों की सलाह और संतुलित मात्रा में करें : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हकृवि में कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर प्रशिक्षण आयोजित

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा कोरटेवा एग्रीसाईंस के प्रायोजन में किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित, जिम्मेदार एवं विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कीटनाशक फसलों को कीटों और रोगों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन इनका प्रयोग हमेशा वैज्ञानिकों की सलाह और निर्धारित मात्रा के अनुसार ही करना चाहिए। बिना जरूरत और अधिक मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव करने से खेती की लागत बढ़ती है, तथा फसल, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुँच सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की



कि कीटनाशक खरीदते और इस्तेमाल करते समय उसके पैकेट या बोतल पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। छिड़काव करते समय मास्क, दस्ताने और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि कीटनाशकों का गलत इस्तेमाल मिट्टी, पानी, पशु-पक्षियों और लाभकारी कीटों के लिए भी हानिकारक होता है। प्रो. काम्बोज ने कहा कि समेकित कीट प्रबंधन (आईपीएम) टिकाऊ खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसानों को कीटों से बचाव के लिए केवल रासायनिक दवाओं पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसके लिए खेतों की नियमित निगरानी, कीटों की सही पहचान, यांत्रिक नियंत्रण, फेरोमोन ट्रैप और कीट प्रतिरोधी किस्मों जैसे उपाय अपनाने चाहिए। रासायनिक कीटनाशकों का छिड़काव वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार संतुलित मात्रा में करना चाहिए, इससे खेती की लागत कम करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार नवीनतम तकनीकें और सुरक्षित खेती के तरीकों की जानकारी निरंतर किसानों तक पहुंचा रहा है। इसके लिए किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जागरूकता शिविरों, किसान गोष्ठियों और खेतों में प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे किसानों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें और उन्हें सही जानकारी देकर टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि किसानों को कीटनाशकों का प्रयोग करने से पहले फसल और उसमें लगने वाले कीट की सही पहचान करनी चाहिए। इसके बाद ही कृषि वैज्ञानिकों या विशेषज्ञों की सलाह से उचित दवा का चयन और छिड़काव करना चाहिए। उन्होंने किसानों से सुरक्षित कीटनाशक उपयोग अपनाने तथा पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता यादव ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। कोरटेवा एग्रीसाईंस के प्रतिनिधि डॉ. बसवेश्वर पोद्दै ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. रीना चौहान ने किया। कोरटेवा एग्रीसाईंस द्वारा प्रतिभागियों को सेफ्टी किट भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी तथा किसान उपस्थित रहे।